Soban Singh Jeena University, Almora

(Advertisement for Recruitment of various non teaching positions)

Advt. No. SSJU/Recruit./2021-22/01/899 Date: 02/08/2021

Online applications are invited from the eligible Indian Citizens in the prescribed format for various vacant positions of SSJ University. For more details i.e Minimum qualification, Experience, Reservation, Relaxation in Age, Service Conditions, Emoluments, Age of Superannuation etc please visit www.ssju.ac.in. The University reserves the right to change the number of vacancy(ies) of any category and also to withdraw partial or full advertisement without assigning any reason.

02/08/2021

(Registrar)

एस0 एस0 जे0 विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड)

SOBAN SINGH JEENA UNIVERSITY, ALMORA (UTTARAKHAND)

विज्ञापन संख्या – **SSJU** / नियुक्ति / 2021–22 / 01/ 899 — दिनांक 02.08.2021

विज्ञापन प्रकाशन की तिथि–	02.08.2021
ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ की तिथि –	02.08.2021
आवेदन पत्र स्वीकार किये जाने की अन्तिम तिथि –	23.08.2021
आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी स्वीकार किए जाने की अंतिम तिथि	30.08.2021

एस0 एस0 जे0 विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा द्वारा प्रशासनिक भवन एवं विभिन्न विभागों में समूह 'ग' के पदों हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र आमन्त्रित किये जाते हैं। एक से अधिक पदों पर आवेदन हेतु प्रत्येक पद पर पृथक्–पृथक् आवेदन किया जाना अनिवार्य है।

1. रिक्त पदों की संख्या – 10 पद (रिक्तियों की संख्या घट अथवा बढ़ सकती है।)

2. राष्ट्रीयता – अभ्यर्थी भारत का नागरिक हो।

3. चरित्र – भर्ती के लिये अभ्यर्थी का चरित्र सरकारी सेवा हेतु सभी प्रकार से उपयुक्त हो। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस सम्बन्ध में अपना समाधान कर लिया जायेगा। अभ्यर्थी को यथास्थिति उस विश्वविद्यालय या महाविद्यालय या स्कूल के, जिसमें उसने अन्तिम बार शिक्षा प्राप्त की थी, प्रधान अधिकारी और दो प्रतिष्ठित जिम्मेदार व्यक्तियों से जो अभ्यर्थी के रिश्तेदार न हों, मगर उसके निजी जीवन से सुपरिचित हों, को उत्तम चरित्र का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना होगा।

   टिप्पणी – भारत सरकार या राज्य सरकार या किसी स्थानीय प्राधिकरण या निगम या केन्द्रीय अथवा किसी राज्य सरकार के स्वामित्व या नियन्त्रित संस्थान से बर्खास्त अभ्यर्थी संस्थान में चयन के लिये अनर्ह होंगे। ऐसे व्यक्ति भी अयोग्य होंगे, जो ऐसे अपराध में दोष सिद्ध हुए हों, जिसमें नैतिक अधमता सम्मिलित है।

4. शारीरिक स्वस्थता – किसी भी ऐसे अभ्यर्थी को विश्वविद्यालय सेवाओं में नियुक्त नहीं किया जायेगा, यदि वह शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं है और किसी ऐसे शारीरिक दोष से मुक्त नहीं है, जिसके कारण उसे अपने कर्त्तव्यों को दक्षतापूर्वक निर्वहन करने में हस्तक्षेप की सम्भावना हो। किसी अभ्यर्थी को नियुक्ति से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड–एक भाग–दो के अध्याय – तीन में समाविष्ट मूल नियम–10 के अधीन बनाये

गये नियमों के अनुसार स्वस्थता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा।

5. वैवाहिक प्रास्थिति – विश्वविद्यालय में भर्ती के लिये ऐसा पुरुष अभ्यर्थी पात्र नहीं होगा, जिसकी एक से अधिक पत्नियाँ जीवित हों या ऐसी महिला अभ्यर्थी पात्र नहीं होगी, जिसने ऐसे पुरुष से विवाह किया हो, जिसकी पहले से ही एक जीवित पत्नी हो।

6. आरक्षण – उत्तराखण्ड शासन के वर्तमान में प्रभावी आरक्षण नियम लागू होंगे।

7. आयु सीमा – (1) सेवा में किसी भी पद पर भर्ती हेतु दिनांक 01 जुलाई, 2021 को अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 21 वर्ष होनी चाहिए तथा अधिकतम आयु 42 वर्ष (उत्तराखण्ड राज्य हेतु नियत आयु सीमा) से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(2) अधिकतम आयु सीमा में छूट : (क) शा0सं0–1399/XXX(2)/2005 दिनांक 21 मई 2005 के अनुसार उत्तराखण्ड के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग अभ्यर्थियों के लिए अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट अनुमन्य होगी।

(ख) उत्तराखण्ड के शारीरिक रूप से विकलांग/निःशक्त अभ्यर्थियों के लिए अधिकतम आयु सीमा 10 वर्ष अधिक होगी। उत्तराखण्ड स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित अभ्यर्थियों के लिए उच्चतम् आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट अनुमन्य होगी। (शा0सं0–1244/XXX(2)/2005 दिनांक 21 मई 2005)

(ग) कोविड–19 के दृष्टिगत उत्तराखण्ड शासन द्वारा समय–समय पर दिये जाने वाली आयु सीमा पर शिथिलता शासनादेशानुसार लागू होगी।

8. शुल्क – सामान्य श्रेणी एवं अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु रू0 500.00 अनुसूचित जाति एवं जनजाति हेतु रू0 300.00 शुल्क ऑनलाइन माध्यम से देय होगा। **प्रत्येक पद के लिये शुल्क पृथक–पृथक लिया जायेगा।** प्राप्त शुल्क किसी भी दशा में वापस नहीं किया जायेगा।

9. रिक्तियों का विवरण/वेतनमान/अनिवार्य एवं अधिमानी शैक्षिक अर्हता का विवरण निम्नानुसार है –

क्रम	पद का नाम	पद/श्रेणी	छठें वेतन आयोग का वेतनमान	शैक्षिक योग्यता
1.	आशुलिपिक	01 पद अनारक्षित	5200–20200 ग्रेड पे – 2800	1. माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश/ उत्तराखण्ड की इण्टरमीडिएट परीक्षा या राज्य द्वारा उसके समकक्ष घोषित कोई अन्य परीक्षा उत्तीर्ण। 2. हिन्दी आशुलिपि में 80 शब्द प्रति मिनट तथा हिन्दी

				टंकण की कम्प्यूटर पर 4000 Key Depression प्रति घण्टे की गति सीमा होनी चाहिए। अन्य बातों के समान होने पर ऐसे अभ्यर्थी को अधिमान दिया जायेगा, जो अंग्रेजी आशुलिपि तथा टंकण जानता हों। स्नातक/स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी को अधिमान दिया जायेगा।
2.	सहायक लेखाकार	01 पद अनारक्षित	5200–20200 ग्रेड पे – 2800	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातक उपाधि या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण तथा हिन्दी टंकण में 4000 की–डिप्रेशन प्रति घण्टा की गति होनी चाहिए।
3.	कनिष्ठ सहायक	08 पद (02 पद अनुसूचित जाति) (01 अन्य पिछड़ा वर्ग) (01 पद उत्तराखंड महिला) (04 पद अनारक्षित)	5200–20200 ग्रेड पे – 2000	मान्यता प्राप्त संस्था से इन्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण तथा कंप्यूटर में न्यूनतम 4000 Key Depression प्रति घण्टे की गति सीमा होनी चाहिए।
उक्त वेतनमान छठें वेतनमान के अनुसार दर्शाये गये हैं। वेतनमान समय–समय पर शासनादेशों के अनुरूप संशोधनान्तर्गत आच्छादित हैं।				

10. आवेदन पत्र प्रेषित करने हेतु महत्वपूर्ण निर्देश–

परीक्षा हेतु ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया जाना होगा, जिसका लिंक एस0 एस0 जे0 विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा की वेबसाईट www.ssju.ac.in पर उपलब्ध है। आवेदन पत्र को भरने से पहले अभ्यर्थी आवेदन पत्र के साथ संलग्न निर्देशों को अवश्य पढ़ें।

अभ्यर्थी ऑनलाइन माध्यम से भरे हुए <u>आवेदन पत्र की डाउनलोड प्रति अपने मूल हस्ताक्षर कर सभी प्रमाण पत्रों की छायाप्रति स्वप्रमाणित कर</u> 9" x 12" साईज के लिफाफे में रखकर **कुलसचिव, एस0 एस0 जे0 विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड – 263601** के पते पर स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक से इस प्रकार से प्रेषित करें ताकि आवेदन पत्र निर्धारित अंतिम तिथि दिनांकः 30.08.2021 तक अथवा इससे पूर्व प्राप्त हो जाए। डाक द्वारा विलंब से प्राप्त आवेदन पत्र स्वीकृत नहीं किए जाएंगे। लिफाफे के ऊपर विज्ञापन संख्या **SSJU/नियुक्ति /2021–22/**21/899, दिनांकः 02.08.2021, पद का नाम .... अवश्य अंकित करें।

लिखित परीक्षा का आयोजन आवेदन पत्र पर दी गयी सूचना के आधार पर किया जायेगा। अभ्यर्थी स्पष्ट रूप से विज्ञापन पढ़कर आवेदन पत्र में सही सूचना ही भरें। गलत एवं अस्पष्ट सूचना भरने पर अभ्यर्थी स्वयं जिम्मेदार होगा एवं गलत सूचना देने पर अभ्यर्थी का अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा एवं उसके खिलाफ विधिक कार्यवाही की जा सकती है।

11 **उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग की परिधि के अन्तर्गत तथा लोक सेवा आयोग की परिधि के बाहर समूह ग की भर्ती के पदों पर भर्ती हेतु आवेदन करने के लिए वही अभ्यर्थी पात्र होगा जिसने अपनी हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट अथवा इनके समकक्ष स्तर की शिक्षा उत्तराखड राज्य में स्थित मान्यता प्राप्त संस्थानों से उत्तीर्ण की हो।**

परन्तु यह कि सैनिक/अर्द्ध सैनिक बलों में कार्यरत तथा राज्य सरकार अथवा उसके अधीन स्थापित किसी राजकीय/स्वायतशासी

संस्था में नियमित पदों पर नियमित रूप से नियुक्त कार्मिकों एवं केन्द्र सरकार अथवा केन्द्र सरकार के सार्वजनिक उपकमों में नियमित पदों पर नियमित रूप से उत्तराखण्ड में कार्यरत ऐसे कर्मी जिनकी सेवाएं उत्तराखण्ड से बाहर स्थानांतरित नहीं हो सकती हों, स्वयं अथवा उनके पति/पत्नी जैसी भी स्थिति हो, तथा उनके पुत्र/पुत्री राज्याधीन सेवाओं में समूह ग के सीधी भर्ती के पदों पर चयन हेतु आवेदन के पात्र होगें।

परन्तु यह और कि राज्य के स्थायी निवासी जो आजीविका/अध्ययन हेतु उत्तराखण्ड के बाहर निवासरत हैं के स्वयं अथवा उनके पति/पत्नी जैसी भी स्थिति हो तथा उनके पुत्र/पुत्री भी समूह ग के सीधी भर्ती के पदों पर आवेदन हेतु पात्र होंगे।

12. आवेदन पत्र भरने हेतु अनुदेश –

1.	अभ्यर्थी विज्ञापन का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें और तभी आवेदन करें जब वे संतुष्ट हों कि वे पात्रता सम्बन्धी सभी शर्ते पूरी करते हैं। परीक्षा में सम्मिलित होने मात्र से यह नहीं माना जायेगा कि अभ्यर्थी आवश्यक निर्धारित अर्हता प्राप्त करते हैं। **जो अभ्यर्थी अर्हता परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हों अथवा जिनका परीक्षाफल आवेदन पत्र प्राप्त करने की अन्तिम तिथि तक प्राप्त न हुआ हो, वे आवेदन न करें।**
2.	आवेदन पत्र अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन माध्यम से स्वयं भरा जाना चाहिए।
3.	किसी भी आरक्षित श्रेणी में आने वाले अभ्यर्थी, यदि वे आरक्षण का लाभ चाहते हैं, तो आवेदन–पत्र के सम्बन्धित स्तम्भ में अपनी श्रेणी/श्रेणियों/उपश्रेणियों (एक या एक से अधिक जो भी हो) को अवश्य अंकित करें, अन्यथा वे अनारक्षित (सामान्य) अभ्यर्थी समझे जायेंगे और उन्हें आरक्षण का लाभ प्राप्त नहीं होगा। ऐसे सभी अभ्यर्थी जो कि उत्तराखण्ड शासन द्वारा अर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिये लागू किये गये आरक्षण का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें शासनादेश संख्या 37/XXIV/2019, दिनांक 06 फरवरी, 2019 में निहित प्रावधानों के अनुरूप इस आशय का सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया गया प्रमाण–पत्र शासन द्वारा निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करना आवश्यक है।
4.	आवेदन पत्र प्रस्तुत कर दिये जाने के उपरान्त अर्हता, आरक्षण श्रेणी/उपश्रेणी व आयु आदि में किसी भी प्रकार का संशोधन या परिवर्तन का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जायेगा।

13. **आवेदन पत्र प्राप्त होने की अन्तिम तिथि** : ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि दिनांक **23.08.2021** है। उक्त तिथि के बाद ऑनलाइन पोर्टल स्वतः ही बन्द हो जाएगा एवं नवीन आवेदन नहीं भरे जा सकेंगे।

14. सभी अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण निर्देश –

1.	किसी भी अभ्यर्थी को अपने आवेदन पत्र में गलत तथ्यों को जिनकी प्रमाण–पत्र के आधार पर पुष्टि नहीं की जा सकती, ऐसे तथ्य देने पर उसके विरुद्ध आपराधिक दण्डात्मक कार्यवाही भी की जा सकती है।
2.	प्रत्येक पद हेतु अलग–अलग आवेदन पत्र ऑनलाइन माध्यम से भरे जायेंगे। प्रत्येक आवेदन पत्र की प्रति डाउनलोड कर हस्ताक्षरित कर वांछित प्रपत्रों को संलग्न कर अलग–अलग लिफाफे में रखकर विश्वविद्यालय को प्रेषित करने होंगे।
3.	आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि वे आवेदित पद हेतु

	सभी पात्रता शर्तों को पूरा करते हैं। उम्मीदवार को मात्र प्रवेश पत्र जारी किये जाने का यह अर्थ नहीं होगा कि उसकी उम्मीदवारी अन्तिम रूप से सुनिश्चित कर दी गयी है। यदि भविष्य में किसी भी स्तर पर यह पाया जाता है कि अभ्यर्थी अर्ह नहीं था अथवा उसका आवेदन पत्र अस्वीकृत किया जाना चाहिए था अथवा वह प्रारम्भिक स्तर पर ही स्वीकार किए जाने योग्य नहीं था, उसका अभ्यर्थन सरसरी तौर पर निरस्त कर दिया जायेगा और यदि वह अन्तिम रूप से चुन लिया जाता है तो भी चयन की संस्तुति वापस ले ली जाएगी।
4.	अभ्यर्थियों द्वारा आवेदन पत्र के सभी स्तम्भ स्पष्टतापूर्वक भरे होने चाहिए तथा किसी भी स्तम्भ को अपूर्ण या रिक्त न छोड़ें। अस्पष्ट, संदिग्ध तथा भ्रामक होने की दशा में ऑनलाइन आवेदन पत्र अस्वीकृत कर दिए जाएंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी।
5.	विश्वविद्यालय द्वारा लिखित परीक्षा हेतु क्रमशः अल्मोडा एवं हल्द्वानी को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। अभ्यर्थियों की कुल संख्या के आधार पर परीक्षा केन्द्र घटाये अथवा बढ़ाये जा सकते हैं। अभ्यर्थियों की संख्या कम होने पर केवल अल्मोड़ा को ही परीक्षा केंद्र बनाया जाएगा।
6.	अभ्यर्थियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अपने ऑनलाइन आवेदन पत्र, उपस्थिति सूची आदि में तथा विश्वविद्यालय के साथ समस्त पत्र व्यवहार में सभी स्थानों पर उनके द्वारा किए गए हस्ताक्षर एक जैसे होने चाहिए और उनमें किसी भी प्रकार की भिन्नता नहीं होनी चाहिए। अभ्यर्थियों द्वारा विभिन्न स्थानों पर किए गए हस्ताक्षरों में यदि कोई भिन्नता पायी जाती है तो विश्वविद्यालय उसके अभ्यर्थन को रद्द कर सकता है।
7.	अपूर्ण एवं त्रुटिपूर्ण आवेदन पत्र सरसरी तौर पर अस्वीकृत कर दिए जाएंगे। डाक द्वारा विलम्ब से प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों की प्रति के लिए विश्वविद्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
8.	हाईस्कूल अथवा समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पत्र में अंकित जन्मतिथि ही मान्य होगी। जन्मतिथि हेतु उक्त प्रमाण पत्र के अतिरिक्त अन्य कोई अभिलेख मान्य नहीं होगा।
9.	अभ्यर्थियों को प्रश्नों के उत्तर हेतु कैलकुलेटर का प्रयोग अनुमन्य नहीं है। परीक्षा केन्द्र परिसर में परीक्षा के दौरान अभ्यर्थी द्वारा मोबाईल फोन, पेजर्स अथवा किसी अन्य प्रकार के संचार यंत्र के प्रयोग की अनुमति नहीं है। यदि वे इन अनुदेशों का उल्लंघन करते हुए पाये जाते हैं तो उन पर भविष्य में आयोजित की जानेवाली सभी परीक्षाओं में बैठने पर रोक सहित अन्य कार्यवाही की जा सकती है। अभ्यर्थियों को उनके हित में सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा स्थल पर मोबाईल फोन/पेजर्स सहित किसी प्रकार की प्रतिबन्धित सामग्री न लायें।
10.	कोई भी अभ्यर्थी किसी भी अन्य अभ्यर्थी की उत्तरपुस्तिका से न तो नकल करेगा, न ही अपनी उत्तरपुस्तिका से नकल करवायेगा, न ही किसी अन्य तरह की अनुचित सहायता देगा, न ही सहायता देने का प्रयास करेगा, न ही सहायता प्राप्त करेगा।
11.	**परीक्षा भवन में आचरण** : कोई भी अभ्यर्थी किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार न करे तथा परीक्षा हाल में अव्यवस्था न फैलाये तथा परीक्षा के संचालन हेतु विश्वविद्यालय द्वारा तैनात स्टॉफ को परेशान न करे। ऐसे किसी भी दुराचरण के लिए कठोर दण्ड दिया जाएगा एवं उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।
12.	**कदाचार के दोषी पाये गये अभ्यर्थियों के विरुद्ध कार्यवाही** : अभ्यर्थियों को यह चेतावनी दी जाती है कि आवेदन पत्र भरते समय न तो कोई असत्य विवरण प्रस्तुत करें और न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उसकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति को किसी प्रविष्टि में कोई शोधन या परिवर्तन या अन्यथा फेर बदल नहीं करें तथा न ही वे फेर बदल किया गया जाली प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि दो या दो से अधिक दस्तावेजों के बीच अथवा उनकी

	अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई असंगति या विसंगति हो तो इस विसंगति के बारे में अभ्यर्थी को स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए ।
13.	अभ्यर्थियों को सचेत किया जाता है कि वे पूर्णतया यह संतुष्ट हो जाने के पश्चात् कि वे विज्ञापन/परीक्षा की सभी शर्तों को पूरा करते हैं, आवेदन करें और परीक्षा में बैठें।
14.	नियुक्ति हेतु चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति से पूर्व नियमों में अपेक्षित स्वास्थ्य परीक्षण कराना होगा । यह कार्यवाही नियुक्ति से पूर्व सम्बन्धित नियुक्ति अधिकारी/प्राधिकारी द्वारा पृथक से की जाएगी।
15.	अभ्यर्थियों को परीक्षा की तिथि, कार्यक्रम, समय तथा केन्द्र के सम्बन्ध में अनुक्रमांक सहित प्रवेश–पत्रों की सूचना ऑनलाइन माध्यम से अभ्यर्थी द्वारा आवेदन पत्र पर दिये गये ई0मेल एवं विश्वविद्यालय की वेबसाइट द्वारा दी जायेगी। अभ्यर्थियों को आवंटित केन्द्र पर ही परीक्षा देनी होगी। केन्द्र निर्धारण के उपरान्त केन्द्र परिवर्तन अनुमन्य नहीं होगा। **अन्तिम चयन तक प्रवेश–पत्र को सुरक्षित रखें एवं मांगने पर प्रस्तुत करें।**
16.	उम्मीदवार द्वारा अन्तिम चयन सूची में अर्हता प्राप्त करने के बाद ही नियुक्ति अधिकारी/विश्वविद्यालय मूल प्रमाण पत्र के सन्दर्भ में पात्रता शर्तों का सत्यापन कराता है। अन्तिम चयन के उपरान्त भी यदि अभ्यर्थी किसी भी स्तर पर अपात्र पाया जाता है तो उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जाएगा।
17.	अभ्यर्थी अपने भरे हुए आवेदन पत्र, ऑनलाइन शुल्क की रसीद एवं पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट की रसीद अपने पास सुरक्षित रखें। यदि किसी कारण से लिखित परीक्षा के लिये उनको प्रवेश पत्र नहीं मिल पाता है तो लिखित परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये डुप्लीकेट प्रवेश पत्र उपरोक्त तीनों अभिलेख प्रस्तुत किये जाने पर विश्वविद्यालय द्वारा जारी किया जायेगा।

15. परीक्षा का प्रारूप –

सभी पदों हेतु पद के अनुरूप लिखित परीक्षा आयोजित की जायेगी तथा लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर योग्यता सूची तैयार की जायेगी जिसमें शासनादेशानुसार पदों की संख्या के सापेक्ष अभ्यर्थियों को दक्षता परीक्षा हेतु बुलावा पत्र भेजा जायेगा।

परीक्षा सम्बन्धित पूर्ण विवरण अलग से विश्वविद्यालय की वैबसाईट www.ssju.ac.in में उपलब्ध करा दिया जायेगा।

02/08/2021

कुलसचिव

सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन
विषय–हिन्दी

भाषा एवं हिन्दी भाषाः भाषा, भाषा के प्रकार, हिन्दी भाषा का विकास, कार्यालयी भाषा, हिन्दी की बोलियां, उत्तराखण्ड प्रदेश की प्रमुख बोलियां (कुमांऊनी, गढ़वाली, जौनसारी)।

लिपि एवं वर्णमालाः देवनागरी लिपि का विकास, देवनागरी लिपि के गुण–दोष, देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली भारतीय भाषाएं।

:स्वर एवं व्यंजन।

हिन्दी वर्तनी (स्पैलिंग): विश्लेषण, शुद्ध–अशुद्ध, विराम–चिन्ह, हिन्दी अंक।

शब्द संरचनाः वर्ण, अक्षर, प्रत्यय, उपसर्ग, संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, पद, लिंग, वचन, पुरूष, विशेषण, अलंकार, क्रिया–विशेषण, कारक।

शब्द–भण्डारः तत्सम, तद्भव, देशज, आगत (भारतीय एवं विदेशी भाषाओं से हिन्दी में आए प्रचलित शब्द), एकार्थी, अनेकार्थी, विपरार्थी (विलोम), समानार्थी, पर्यायवाची।

संधि : स्वर संधि, दीर्घ संधि, गुण संधि, वृद्धि संधि, यण संधि।

वाक्य परिचयः वाक्य का आशय एवं परिभाषा, वाक्य के प्रकार, वाक्य–शुद्धि।

: लोकोक्ति, मुहावरे (परिचय एवं वाक्य प्रयोग)

पत्र लेखन : टिप्पण, प्रारूपण, विज्ञप्ति, सरकारी एवं अर्द्धसरकारी पत्र।

जनसंचार एवं हिन्दी कम्प्यूटिंगः संचार (मीडिया) के विभिन्न माध्यम, समाचारपत्र–पत्रिकाएं, रेडियो–टीवी (दूरदर्शन), हिन्दी सोशल मीडिया।

हिन्दी कम्प्यूटिंग, फॉन्ट, टाइपिंग, पेज–लेआउट।

हिन्दी साहित्य का सामान्य परिचयः

(उत्तराखण्ड राज्य एवं एनसीईआरटी की 10वीं एवं 12वीं कक्षाओं के पाठ्यक्रम के अनुसार।)

पद्य : कबीर, सूर, तुलसी, मीरा, रसखान, जयशंकर प्रसाद, निराला, सुमित्रानंदन पंत, माखनलाल चतुर्वेदी, मुक्तिबोध, मंगलेश डबराल, राजेश जोशी।

गद्य : राहुल सांकृत्यायन, हजारी प्रसाद द्विवेदी, प्रेमचन्द, महादेवी वर्मा, शिवानी, पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल, हरिशंकर परसाई, शैलेश मटियानी, मनोहरश्याम जोशी, मन्नू भण्डारी, शेखर जोशी।

सामान्य बुद्धि परीक्षण

इस भाग में पूछे जाने वाले प्रश्नों का उददेश्य विभिन्न नवीन परिस्थितियों को समझने, उसके विभिन्न तत्वों का विश्लेषण कर पहचान करने, तर्क करने की योग्यता तथा दीर्घकालिक स्मृति का मापन करना है। इस भाग में ऐसे प्रश्न भी पूछे जायेंगे जो बौद्धिक क्रियाओं, सामाजिक बुद्धि, गणितीय योग्यता, शाब्दिक एवं अशाब्दिक तार्किक शक्ति, मूर्त एवं अमूर्त तार्किक शक्ति, गुणात्मक एवं मात्रात्मक तार्किक शक्ति, आरेखण, अनुदेशों को समझने तथा समानताओं व असंगतताओं का पता लगाने से सम्बन्धित हैं। जिसकी विषय वस्तु निम्नलिखित है।

अशाब्दिक मानसिक योग्यता परीक्षण

1. दर्पण एवं जल प्रतिबिम्ब
2. श्रृंखला
3. सादृश्यता
4. वर्गीकरण
5. कागज मोड़ना
6. कागज काटना
7. आकृति निर्माण
8. आकृतियों की गिनती
9. सन्निहित आकृतियां
10. आकृतियों की पूर्ति
11. आकृति आव्यूह
12. समरूप आकृतियों का समूहीकरण

शाब्दिक मानसिक योग्यता परीक्षण

1. वर्णमाला परीक्षण
2. कूटलेखन/कूटवाचन परीक्षण
3. भिन्नता की पहचान
4. सादृश्यता
5. श्रृंखला परीक्षण
6. क्रम व्यवस्था परीक्षण
7. दिशा ज्ञान परीक्षण
8. अंक एवं समय क्रम परीक्षण
9. निगमनात्मक परीक्षण
10. रक्त सम्बन्ध परीक्षण
11. गणितीय चिन्हों को कृतिम स्वरूप प्रदान करना
12. धारणा परीक्षण
13. कथन एवं तर्क
14. वर्गीकरण
15. आलेख वैन डायग्राम
16. गणितीय संक्रियाएं
17. आहव्यूह (मैट्रिक्स)
18. बैठक परीक्षण
19. आंकड़ों की पर्याप्तता
20. इनपुट आउटपुट पासवर्ड (कम्प्यूटर से सम्बन्धित)
21. संख्या एवं अवधि निर्धारण
22. कैलेण्डर
23. कथन,निष्कर्ष एवं निर्णयन
24. न्याय नियमन
25. पहेली परीक्षण
26. समस्या समाधान
27. सामाजिक बुद्धि (नैतिक आचार–विचार)
28. शब्द निर्माण
29. लिपिकीय अभिक्षमता

सामान्य ज्ञान व सामान्य अध्ययन
विषय– इतिहास

प्राचीन भारतीय इतिहास

<u>सिन्धु घाटी सभ्यता</u>– नामकरण; सामाजिक व आर्थिक स्थिति; नगर योजना व भवन निर्माण।
<u>वैदिक सभ्यता</u>– पूर्व वैदिक काल; सामाजिक, आर्थिक व धार्मिक स्थिति; राजनीति, साहित्य व धर्म।
<u>उत्तर वैदिक काल</u>– सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक व राजनीतिक जीवन; साहित्य व धर्म।
<u>महाकाव्य काल</u>– रामायण व महाभारत कालीन समाज व राजनीति।
<u>जैन व बौद्ध धर्म</u>– स्थापना, शिक्षाएँ व विस्तार।
<u>मौर्यकाल</u>– मौर्यवंश की स्थापना; चन्द्रगुप्त मौर्य, अशोक व उसका धम्म; मौर्यकालीन प्रशासन, समाज व कला।
<u>उत्तर मौर्य काल</u>– पारसी, यूनानी,शक व कुषाण संपर्क तथा उसके सांस्कृतिक प्रभाव; शुंग व आंध्र सातवाहन वंश।
<u>गुप्त साम्राज्य</u>– गुप्तकालीन शासक; प्रशासन, समाज, कला, साहित्य, विज्ञान व संस्कृति।
<u>उत्तर गुप्त काल</u>– हर्षवर्धन; राजपूत शासक; चोल व पल्लव साम्राज्य; 600–1200 के मध्य भारतीय सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास एवं अन्य पहलू।
<u>अरब व तुर्की आक्रमण</u>– इस्लाम की स्थापना; मुहम्मद बिन कासिम, महमूद गजनवी व गौरी के आक्रमण।

मध्यकालीन भारतीय इतिहास

<u>दिल्ली सल्तनत</u>– गुलाम, खिल्जी, तुगलक, सैयद व लोदी वंश, प्रशासन, समाज, साहित्य, कला व स्थापत्य, आर्थिक नीति, साम्राज्य विस्तार व अन्य नीतियाँ।
<u>भक्ति आन्दोलन व सूफी आन्दोलन</u>– मुख्य संत व उनके प्रभाव।
<u>बहमनी व विजयनगर राज्य</u>– मुख्य शासक व उनकी उपलब्धियाँ, साहित्य, कला व संस्कृति पर प्रभाव।
<u>मुगल काल</u>– मुगल शासक व शेरशाह सूरी, मुगल प्रशासन व नीतियाँ– मनसबदारी व्यवस्था, धार्मिक व राजपूत नीति, कला, साहित्य व स्थापत्य, शेरशाह सूरी का प्रशासन।
<u>मराठा व सिख</u>– मराठा राज्य व इनके मुगलों से सम्बन्ध; सिख गुरू व इनके मुगलों के साथ सम्बन्ध।

आधुनिक काल

<u>यूरोपियों का भारत में आगमन</u>– पुर्तगाली, डच व फ्रांसीसी व्यापारियों का आगमन।

<u>ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी</u>–(1757–1858)–भारत में साम्राज्य विस्तार; आर्थिक नीति व उसके प्रभाव; प्रशासनिक नीतियाँ; गवर्नर व गवर्नर जनरल; चार्टर एक्ट व अन्य एक्ट; सामाजिक सुधार।

<u>ब्रिटिश शासन(1858–1947)</u>
1857 का विद्रोह– कारण, मुख्य घटनाएँ व प्रभाव।
वायसराय व उनकी नीतियाँ।
भारतीय समाज में सामाजिक व धार्मिक सुधार आन्दोलन।

<u>भारत में राष्ट्रवाद का विकास–</u>
भारतीय राष्ट्रवाद के विकास के कारण।
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना; उदारवादी व अतिवादी दल।
लार्ड कर्जन व उसकी नीतियां।
बंगाल का विभाजन, स्वदेशी आन्दोलन, मुस्लिम लीग की स्थापना, सूरत अधिवेशन एवं कांग्रेस का विभाजन(1907), मार्ले मिन्टो सुधार(1909)

<u>प्रथम विश्वयुद्ध और राष्ट्रीय आन्दोलन</u>– होमरूल आन्दोलन, लखनऊ समझौता(1916), 1917 की अगस्त घोषणा, गांधी युग, भारत एवं विदेश में क्रांतिकारी आंदोलन, भारत सरकार अधिनियम(1919), रॉलेट अधिनियम(1919), जलियाँवालाबाग नरसंहार(13 अप्रैल 1919), खिलाफत आंदोलन, असहयोग आंदोलन, चौराचौरी की घटना, स्वराज पार्टी, साइमन कमीशन, नेहरू रिपोर्ट, जिन्ना के 14 सूत्र, कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन, सविनय अवज्ञा आंदोलन, प्रथम गोलमेज सम्मेलन, गांधी इरविन समझौता,द्वितीय व तृतीय गोलमेज सम्मेलन, कम्युनल अवार्ड व पूना समझौता।

भारत सरकार अधिनियम(1935)—पाकिस्तान की मांग, क्रिप्स मिशन, भारत छोड़ो आन्दोलन, कैबिनेट मिशन, आजाद हिन्द फौज, अन्तरिम सरकार, माउन्टबेटेन योजना, भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम(1947), भारत का विभाजन, आजादी के बाद के भारत की मुख्य घटनाएँ।

विश्व का इतिहास

यूरोप में पुनर्जागरण व उससे सम्बन्धित मुख्य साहित्यकारों, कलाकारों व वैज्ञानिकों का योगदान।
ब्रिटेन के राजवंश– हेनरी अष्टम, एलिजाबेथ, जेम्स द्वितीय तथा विक्टोरिया के समय की मुख्य घटनाएँ।
फ्रांसीसी क्रान्ति।
अमरीका का स्वतंत्रता संग्राम।
रूसी क्रान्ति।
प्रथम व द्वितीय विश्व युद्धों के मुख्य कारण।

सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन
विषय– भूगोल
भारत एवं विश्व भूगोल

विश्व का भूगोल :– विविध शाखाएं, सौर मण्डल की उत्पत्ति, अक्षांश–देशान्तर, समय, पृथ्वी की गतियाँ, परिभ्रमण, ग्रहण, महाद्वीपों एवं महासागरों की उत्पति, उच्चावच्च, पर्वत, पठार, मैदान, झील, चट्टान, प्रवाह तन्त्र, जलमण्डल : समुद्री लवणता, समुद्री धाराएं, ज्वार भाटा, वायुमण्डल : वायुमण्डल की परतें, संरचना, तापमान, हवाएं, चक्रवात, आर्द्रता, कृषि, पशुपालन, उर्जा एवं खनिज संसाधन, उद्योग, जनसंख्या, प्रवास, प्रजातियां एवं जनजातियां, परिवहन, वैश्विक तापन, व्यापार (क्षेत्रीय आर्थिक समूह) अन्तर्राष्ट्रीय सीमा रेखाएं।

भारत का भूगोल :– भौगोलिक परिचय, उच्चावच्च एवं संरचना, जलवायु, प्रवाह प्रणाली, प्राकृतिक वनस्पति, पशुपालन, मिट्टी, एवं जल संसाधन, सिंचाई, बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना, कृषि : फसलें, खनिज, ऊर्जा संसाधन, जनसंख्या एवं नगरीकरण, जनजाति, प्रवास, परिवहन, संचार, विदेश व्यापार, अधिवास, जनजाति, पर्यावरणीय संकट : हवा, पानी, मृदा प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन : कारण एवं प्रभाव।

(i) अहिंसा (ii) सत्य (iii) सत्याग्रह (iv) राजनीति का आध्यात्मीकरण
(v)राम–राज्य का विचार

(ख) गाँधी जी के सामाजिक विचार
(i)सर्वोदय की अवधारणा
(ii) अछूतोद्धार एवं अस्पृश्यता–निवारण
(iii) 'हरिजन' की अवधारणा

(ग) गाँधी जी के आर्थिक विचार
(i) अर्थव्यवस्था का नैतिक आधार
(ii) संरक्षता का सिद्धान्त
(iii) स्वावलम्बन
(iv) कुटीर उद्योग आधारित अर्थव्यवस्था
(v) विकेन्द्रित अर्थव्यवस्था

(3) भारतीय राजव्यवस्था(Indian Polity)
(क) भारतीय संविधान की विशेषताएँ
(i) लोकतान्त्रिक व्यवस्था
(ii) गणतान्त्रिक व्यवस्था
(iii) 'सर्व–धर्म समभाव' की अवधारणा
(iv) सहयोगी संघवाद
(iv) मौलिक अधिकारों का समावेश

(ख) मौलिक अधिकारों की अवधारणा
समानता– स्वतंत्रता– धार्मिक स्वतंत्रता, शोषण के विरुद्ध मूल अधिकार–संवैधानिक उपचारों की व्यवस्था व उसका महत्त्व।

(ग) मौलिक कर्तव्य
नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों का महत्त्व, समाजिक सहकार व वैज्ञानिक सोच का विकास, पर्यावरण–संरक्षण, नारी की गरिमा का सम्मान, बचपन का संरक्षण, राष्ट्रीय एकता व अखंडता

(घ) नीति निदेशक तत्व(आधारभूत अवधारणाएँ) –
उदारवादी, गाँधीवादी, समाजवादी तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व की अवधारणा

भारतीय संसद
राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यसभा, लोकसभा, विधि–निर्माण प्रक्रिया, अध्यादेश, आपात्कालीन स्थिति में संसदीय व्यवस्था पर प्रभाव, प्रधानमंत्री, मन्त्रिपरिषद–अधिकार व शक्तियाँ, प्रधानमंत्री व मन्त्रिपरिषद् पर संसदीय नियन्त्रण

भारत का सर्वोच्च न्यायालय
गठन, कार्यप्रणाली, शक्तियाँ, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, महाभियोग की प्रक्रिया, न्यायिक पुनरावलोकन

नागरिकता

भारत की नागरिकता प्राप्त करने की दशाएँ

नागरिकता का लोप होने की दशाएँ

राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय दल

राष्ट्रीय दल का स्तर प्राप्त होने की दशाएँ

क्षेत्रीय दल की विशेषताएँ

क्षेत्रीय दल का महत्त्व एवं भूमिका

भारतीय संविधान में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग सम्बन्धी प्रावधान, आरक्षण की समस्या, आरक्षण की उपयोगिता, आरक्षण के प्रावधानों की कमियाँ

पंचायती राज(स्थानीय स्वशासन)

शहरी स्थानीय स्वशासन

(i) नगर–निगम (ii) नगरपालिका

ग्रामीण स्थानीय स्वशासन

त्रिस्तरीय ग्रामीण स्वशासन की संरचना, कार्य–प्रणाली एवं लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण

उत्तराखण्ड का पंचायतराज अधिनियम

सूचना का अधिकार अधिनियम(2005)

(4) अन्तर्राष्ट्रीय संगठन

संयुक्त राष्ट्र संघ– संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना, संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्य, महासभा, सुरक्षा–परिषद, अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय, संयुक्त राष्ट्र संघ की शक्तियाँ, विश्व शान्ति स्थापित करने में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका

पर्यावरण– वैश्विक–तापन की समस्या, निदान एवं समाधान हेतु प्रयास, प्रदूषण की समस्या, निदान एवं समाधान हेतु प्रयास

मानवाधिकार

मानवाधिकारों की सार्वजनिक घोषणा

मानवाधिकारों के उल्लंघन को रोकने हेतु संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रयास

शस्त्रों की होड़

शस्त्रों की होड़ को नियन्त्रित करने हेतु यू०एन०ओ० के प्रयास

भूमण्डलीकरण

भूमण्डलीकरण की आवश्यकता, गुण एवं अवगुण

दक्षिण– एशिया

दक्षिण–एशिया की समस्याएँ,

सार्क (SAARC) –संगठन, उद्देश्य, उपलब्धियाँ एवं समस्याएँ

सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन

विषय-- अर्थशास्त्र

भारतीय अर्थव्यवस्था: भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषतायें, जनांकिकीय प्रवृत्तियाँ, भारतीय कृषि की विशेषतायें-- उत्पादन एवं विपणन, कृषि सुधार, खाद्य सुरक्षा, औद्योगिक विकास एवं समस्यायें, लघु उद्योग, सूक्ष्म-लघु एवं मध्यम उद्योग--विकास व समस्यायें, नीति, नीति आयोग, मुद्रा एवं वित, नई आर्थिक नीति, गरीबी निवारण एवं रोजगार सृजन कार्यक्रम, सामाजिक सुरक्षा योजनायें, भारतीय संघीय व्यवस्था एवं कर प्रणाली, भारत का विदेशी व्यापार-प्रवृत्ति एवं दिशा, भुगतान संतुलन, विदेशी व्यापार नीति, विश्व व्यापार संगठन।

राज्य, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय महत्त्व की समसामयिक घटनायें ।

विश्व के देश, महाद्वीपए प्रमुख अंतरिक्ष घटनाक्रम विश्व के धर्म, विश्व के आश्चर्य, भारतीय राज्य, भारत/विश्व की प्रमुख पुस्तकें एवं लेखक, प्रमुख वैज्ञानिक खोजें, प्रसिद्ध वैज्ञानिक, प्रमुख पुरस्कार, भारतीय रक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, वैज्ञानिक तथा तकनीकी विकास, कम्प्यूटर साक्षरता, सामान्य विज्ञान एवं तकनीकी ज्ञान, शिक्षा, राष्ट्रीय प्रतीक, प्रसिद्ध धार्मिक स्थल, प्रमुख चोटियां, प्रमुख दर्रे, प्रमुख सागर-महासागर, विश्व के प्रमुख मानव अधिकार एवं कल्याण संगठन, भारत की प्रमुख भाषायें, विश्व धरोहर स्थल, प्रमुख समाचार पत्र, महत्त्वपूर्ण तिथियां, खेल परिदृश्य, प्रमुख खेल एवं सम्बन्धित शब्दावली, सम्मेलन/प्रदर्शनी/कान्फ्रेंस, प्रमुख रिपोर्ट और राजनीतिक घटनाक्रम।

विषयः उत्तराखण्ड से संबंधित विविध जानकारियां

1. उत्तराखण्ड का भौगोलिक परिचयः स्थिति एवं विस्तार, पर्वत, चोटियां, हिमनद, नदियाँ, झीलें, प्राकृतिक संसाधन, वन संसाधन, मृदा संसाधन, जनसंख्या
2. उत्तराखण्ड का इतिहास :– ब्रिटिश काल से पूर्व एवं स्वतन्त्रता के उपरान्त प्रमुख राजवंश यथा– कत्यूरी शासन काल, चन्द शासन, गोरखा, पंवार एवं ब्रिटिश शासन इत्यादि, स्वतन्त्रता संग्राम मे उत्तराखण्ड की भूमिका, प्रमुख स्वतन्त्रता सेनानी एव विभूतियां, उत्तराखण्ड के विविध आन्दोलन यथा कुली बेगार, गाड़ी सड़क, डोला पालकी, स्वतन्त्रता के उपरान्त के आन्दोलन चिपको, नशा नहीं रोजगार दो एवं उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन के विविध पक्ष, पृथक उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन एवं अद्यतन राजनैतिक घटनाक्रम
3. उत्तराखण्ड जल स्त्रोत, मुख्य नदियां, परम्परागत जल स्त्रोत यथा नौला, धारा, पोखर, खाल–चाल, गाड़–गधेरा; सिंचाई के परम्परागत साधन यथा गूल, नहर, नलकूप, हैण्डपम्प एवं विविध सिंचाई योजनायें, नदी घाटी परियोजनाएं; उत्तराखण्ड में वर्षा आधारित कृषि की वर्तमान समस्यायें।
4. उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था :– कृषि, प्रमुख फसले, व्यावसायिक कृषि एवं कृषिगत समस्यायें,उद्यान, पुष्प, सब्जी, पशुपालन,मछली पालन इत्यादि, लघु व कुटीर उद्योगों की वर्तमान दशा यथा ऊन, काष्ट, लौह, ताम्र उद्योग इत्यादि, उत्तराखण्ड में विभिन्न उद्योग एवं सेवा क्षेत्र की वर्तमान दशायें, रोजगार की प्रवृत्तियां, पलायन का संकट
5. उत्तराखण्ड का सांस्कृतिक पक्ष :– परंपरा, रहन–सहन, भाषा–बोली, लोक गीत, लोक नृत्य, लोक शिल्प, लोक कला, लोक संगीत।
6. उत्तराखण्ड की सामाजिक व्यवस्था एवं जनांकिकी, उत्तराखण्ड में जमींदारी उन्मूलन एवं भूमि बन्दोबस्त, लगान एवं रैतवाड़ी, राजस्व पुलिस व्यवस्था
7. उत्तराखण्ड में शिक्षाः सामान्य शिक्षा, तकनीकी शिक्षा स्वास्थ्य, शिक्षा की दशाएँ एवं तत्सम्बन्धित समस्यायें।
8. उत्तराखण्ड मे पर्यटन :– धार्मिक एवं सांस्कृतिक यात्राएँ यथा चार धाम यात्रा, नन्दा राजजात, आध्यात्मिक यात्राएँ इत्यादि, प्रमुख धार्मिक एवं दर्शनीय स्थल, साहसिक पर्यटन यथा पर्वतारोहण,राफ्टिंग, ट्रेकिंग इत्यादि, रेल, वायु तथा सड़क परिवहन एवं तत्संबंधित समस्यायें।
9. उत्तराखण्ड में पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी की दशायें, जल एवं वायु प्रदूषण, बादल फटना, निर्वनीकरण, वनाग्नि, बाढ़, सूखा तथा अन्य प्राकृतिक आपदायें एवं पारिस्थितिकीय दशाए।
10. राज्य की सामान्य प्रशासनिक व्यवस्था व महत्वपूर्ण योजनायें/पहलें।
11. राज्य द्वारा जारी सांख्यिकीय आकड़े तथा उससे संबंधित विषय।
12. उत्तराखंड में जैव विविधता।
13. अन्य विविध विषय।

Fundamental of Computers
Syllabus

Unit 1: Basic Concepts : Introduction to Computers, Classification and Generations of computers; Block Diagram of Computer,Hardware, Software, Firmware, Input devices, Memory and Storage Devices, Central Processing Unit, Output devices and Computer Ports, Software: System software and Application Software, Concept of Algorithm and Flowchart, Generations of Programming Languages.

Unit 2: Operating System

Concept of Operating System, Operating System : Open and Proprietary, Versions of Windows, Features of Windows Operating System, Windows Desktop, Booting, Shut Down and Standby options,Start Menu, Keyboard Shortcuts; Application Management using Control Panel, Installing and Uninstalling a software; System Tools: Disk Cleanup, Disk Fragmentation, Working with Windows Explorer; Basics of Linux

Unit 3: Software Packages Word Processing: Word processing concepts, Working with word document: Opening, Closing and saving options, Editing text, Find and replace text, Language checking and thesauruses, Formatting, spell check, Autocorrect, Autotext; Bullets and numbering, Paragraph Formatting, Indent, Page Formatting; Header and footer; Tables: Inserting and importing of tables, filling and formatting a table; Pictures and Video; Mail Merge; Printing documents; Keyboard Shortcuts

Spreadsheet: Spreadsheet concepts, Managing worksheets, Formatting of Worksheets and Cells, Entering data, Editing; Printing a worksheet; Organizing Charts and graphs; Formulas and Functions: Handling operators in formula; generally used Spreadsheet functions: Mathematical, Statistical, Financial, Logical, Date and Times; Keyboard Shortcuts

Presentation Software: Introduction and creation of the presentation, Use of Templates; Adding new slide, Navigating across slides, Use of Master Slide, slide show, Saving and Opening of presentation, Text formatting options, Copy, Move , Delete slides, Applying designs, Using Animations, Slide Transitions, Insert clip art, Insert sound/movies, Viewing the presentation; Taking printout of presentation/Handouts; Keyboard Shortcuts.

Unit 4: Working with Internet

Basics of Computer Network and Internet, Working with Internet, ISP, Web Browsers, World Wide Web (WWW), Uniform Resource Locator (URL) and Domain Names, Uses of Internet, Concept of Search Engines, IP Address, Applications of Internet, Chatting, Video-Conferencing, Email: Manage an E-mail Account, E-mail Address, configure E-mail Account, log to an E-mail, Sending and Receiving e-mails, sending files as attachments, Address Book; Uploading/ Downloading Files, Net Etiquettes. Social impact of ICT in Education, health care and Governance

Unit 5: Cyber Security Virus, Worms, Trojan and Anti-Virus software, Spyware, Malware, Spams, Data Backup and Recovery Tools, Indian IT ACT, Types of Cyber Crime, firewall, Cookies, Hackers and Crackers, Cyber Security Techniques: Authentication, Encryption, Digital Signatures, Anti-Virus, Firewall, Steganography.

अंकवार पाठ्यक्रम विभाजन

सभी पदों की 100 अंकों की वस्तुनिष्ठ प्रकार की लिखित प्रतियोगी परीक्षा के लिए UKSSSC द्वारा नियत पाठ्यक्रम के आधार पर संपन्न की जाएगी, जिसका अंकवार विवरण निम्नवत् है:—

क्रम सं०	विषय व अंक	कुल अंक
1	सामान्य हिन्दी – 20 अंक	100 अंक
2	सामान्य ज्ञान व सामान्य अध्ययन – 40 अंक 2.1– सामान्य बुद्धि परीक्षण और मानसिक योग्यता 2.2– इतिहास 2.3– भूगोल 2.4– राजनीतिक विज्ञान 2.5– अर्थशास्त्र 2.6– राज्य, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की समसामयिक घटनायें। 2.7– कम्प्यूटर की मूलभूत जानकारी (Computer Fundamentals)	
3	उत्तराखण्ड से संबंधित विविध जानकारियां – 40 अंक	

Examination Syllabus for the Post of Assistant Accountant

Unit-I : Stakeholders in Accounting Information.

- Accounting: Concepts, Conventions and basic knowledge of Accounting Standards.
- Basics of Accounting.
- Concept of Capital & Revenue.
  Accounting Process: Journal, ledger, Trial Balance.
- Bank Reconciliation Statement, Bills of Exchange and Rectification of Errors.
- Depreciation Accounting.
- Preparation of Final Accounts with Adjustments.
- Partnership Accounts: Admission, Retirement, death & dissolution of partnership.
- Hire Purchase & Installments Payment system.
- Computation of Insurance Claims for loss of stock and loss of profit.

Unit-II : Advanced Financial Accounting.

- Issue, forfeiture and Reissue of Shares, Issue and Redemption of Preference Shares and Debentures.
- Valuation of Goodwill and Shares.
- Basic of Amalgamation, Absorption and Reconstruction.

Unit-III : Financial Management.

- Finance Function, Time Value of Money.
- Theories of Capital Structure.
- Working Capital Management.
- Cost of Capital.
- Dividend Policy.
- Security Analysis & Portfolio Management: Computation of Risk Returns and Portfolio Risk,CAPM.
- Leverage Analysis.

Unit-IV : Cost and Management Accounting.

- Cost Reduction and Cost Control.
- Target Costing, Benchmarking.
- Just-in-Time Approach (JIT). Decision – makings Costs.
- Marginal Costing- Meaning and its Practical Application.
- Responsibility Accounting.
- Ratio Analysis.
- Funds Flow & Cash Flow Statements and Cash Budget.
- Capital Budgeting.

Unit-V : MIS, Auditing & Taxation

The concept of MIS; Softwares for MIS and Accounting; Types of Softwares; Data Processing: Batch Processing, Real Time on Live Processing; Safeguarding of Information; Internal Control; Appointment, Powers, Duties & Responsibilities of an Auditor; Types of Audit Reports of Companies- Unmodified Report,

Modified Report (Qualified Report, Adverse Report, Disclaimer of Opinion); Heads of Income, Computation of Taxable Income and Tax Liability of Individuals.